

MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

Term-End Examination

December, 2018

**MECE-004 : FINANCIAL INSTITUTIONS AND
MARKETS**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : Attempt questions from each section as per instructions given.

SECTION - A

Answer **any two** questions from this section. **2x20=40**

1. Discuss debt and equity as means of raising finance in the capital market. In this context, discuss Modigliani Miller hypothesis.
2. Explain how expected utility is used in decision making under uncertainty. What do you understand by risk aversion ?
3. What is the need for a capital regulator in India ? Give reasons. Explain the objectives and functions of SEBI. How far has SEBI been successful in protecting the interest of investors ?
4. Discuss the relative merits of fixed and flexible exchange rate systems. Explain the concept of currency convertibility.

SECTION - B

Answer any five questions from this section. $5 \times 12 = 60$

5. Describe the flow-of-funds accounts of a nation and discuss their significance.
 6. What is a Customs Union ? How does it work ? In what way it is different from optimum currency area ?
 7. Explain the nature and significance of money supply in using the Money Multiplier Process.
 8. Write short notes on :
 - (a) Demat of securities
 - (b) Value-at-risk
 9. Describe the main functions and role of the International Monetary Fund. How does it differ in its role and functioning from the World Bank ?
 10. Explain the loanable funds theory of interest rates.
 11. What is expected utility function ? What are the important properties of expected utility function ?
 12. What is leverage ? How does a firm using leverage benefit from it ?
-

एम.ए. (अर्थशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2018

एम.ई.सी.ई.-004 : वित्तीय संस्थान एवं बाज़ार

समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 100

नोट : प्रत्येक भाग से प्रश्नों के उत्तर, दिए गए निर्देशानुसार दीजिए।

भाग - क

इस भाग से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2x20=40

1. पूँजी बाज़ार में वित्त एकत्र करने के साधन के रूप में ऋण (debt) एवं इक्विटी की चर्चा कीजिए। इस संदर्भ में मोदीग्लिनी मिलर परिकल्पना की चर्चा कीजिए।
2. बताइए कि अनिश्चितता के तहत निर्णय लेने में प्रत्याशित उपयोगिता का प्रयोग कैसे किया जाता है? जोखिम निवारण से आप क्या समझते हैं?
3. भारत में पूँजी नियामक की आवश्यकता क्यों है? कारण दीजिए। सेबी (SEBI) के उद्देश्य एवं प्रकार्यों का वर्णन कीजिए। निवेशकों के हितों को सुरक्षित करने में सेबी अभी तक कितना सफल रहा है?
4. स्थिर और लचीली विनिमय दर के सापेक्षित गुणों की चर्चा कीजिए। मुद्रा परिवर्तनीयता की संकल्पना का वर्णन कीजिए।

भाग - ख

इस भाग से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

5x12=60

5. राष्ट्र के निधि-प्रवाह खातों का वर्णन कीजिए और इनके महत्व की चर्चा कीजिए।
 6. कस्टम्स यूनियन क्या है? यह कैसे काम करती है? यह इष्टतम मुद्रा (currency) क्षेत्र से कैसे भिन्न है?
 7. मुद्रा गुणक प्रक्रिया के प्रयोग में मुद्रा आपूर्ति की प्रकृति और महत्व का वर्णन कीजिए।
 8. संक्षेप में नोट लिखिए :
 - (a) प्रतिभूतियों का डिमेट
 - (b) जोखिमग्रस्त मूल्य
 9. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा-निधि के मुख्य प्रकार्य एवं भूमिका का वर्णन कीजिए। भूमिका और कार्यप्रणाली की दृष्टि से यह विश्व बैंक से कैसे भिन्न है?
 10. ब्याज दरों के साख-कोष सिद्धांत का वर्णन कीजिए।
 11. प्रत्याशित उपयोगिता फलन क्या है? प्रत्याशित उपयोगिता फलन के महत्वपूर्ण गुणधर्म क्या हैं?
 12. लिवरेज क्या है? लिवरेज के प्रयोग वाली फर्म इसका लाभ कैसे उठाती हैं?
-